



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 16-09-2025

इटावा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-09-16 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-09-17	2025-09-18	2025-09-19	2025-09-20	2025-09-21
वर्षा (मिमी)	4.0	5.0	5.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	33.0	32.0	32.0	32.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	26.0	26.0	26.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	87	89	90	89	87
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	59	62	62	58	51
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	6	5	3	1
पवन दिशा (डिग्री)	110	52	53	83	360
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	5	5	5	3
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी पाँच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाए रहने के कारण दिनांक 17 से 20 सितम्बर, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 32.0-34.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 25.0-26.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 87-90% तथा 51-62% के मध्य रहेगी। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पूर्व रहेगी तथा हवा की गति 1.0-6.0 किमी/घंटा रहेगी, तथा हवा की गति सामान्यतः 1-2 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 17 से 20 सितम्बर 2025 के मध्य गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

आगामी सप्ताह में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ की खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य स्थगित रखें तथा आसमान साफ होने की दशा में रोगनाशी एवं कीटनाशी के छिड़काव एवं निराई - गुड़ाई का कार्य करें। मक्का, दलहनी एवं तिलहनी फसलों में जल भराव न होने दे, अधिक वर्षा के पानी को खेत से बाहर निकालें। पशुओं को खुले स्थान पर न बांधें और न ही उन्हें चरने के लिए बाहर छोड़ें तथा जल भराव वाले स्थान पर पशुओं न जाने दें।

सामान्य सलाहकार:

मक्के की परिपक्व भुट्टो की तुड़ाई/कटाई/मड़ाई एवं तोरिया की बुवाई का कार्य स्थगित रखें तथा कटी हुई फसलों को सुरक्षित स्थान पर पॉलीथिन सीट से ढककर संरक्षित करें। पशुओं को बहते हुए पानी/जल भराव वाले स्थान पर जाने से रोकें। पशुओं को बरसात के रुके हुए पानी को न पीने दें। बरसात के मौसम में पशुओं में किलनी/जूं के संक्रमण की संभावना प्रबल हो जाती है। इसके बचाव हेतु पशु बाड़े में चूने का छिड़काव करें ताकि किलनी/जूं के अंडे व लार्वा नष्ट हो जाय। बरसात के मौसम में रात के समय घर से बाहर निकलने पर टार्च लेकर जाय तथा सर्प, बिच्छू आदि से से बचने के लिए घर की दीवारों व छिद्रों को बंद कर दें और हल्का सा कैरोसिन या फिनाइल का छिड़काव कर दें जिसकी गंध से सांप चले जाते हैं।

लघु संदेश सलाहकार:

परिपक्व फसलों की कटाई/मड़ाई एवं तोरिया की बुवाई का कार्य स्थगित रखें तथा कटी हुई फसलों को सुरक्षित स्थान पर पॉलीथिन सीट से ढककर संरक्षित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की फसल बालियाँ निकलने (गोभ अवस्था) तथा फूल खिलने की अवस्था पर चल रही है जो नमी की कमी के प्रति संवेदनशील हैं अतः बारिश न होने दशा में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। धान की फसल में पत्ती लपेटक, तना छेदक, हरा फुदका एवं हिस्पा कीट का प्रकोप दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु कारटाप हर्डिड्रोक्लोराइड (50 एस.पी.) की 150 से 200 ग्राम मात्रा 200 ली. प्रति एकड़ पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। गन्धी बग एवं सैनिक कीट के रोकथाम हेतु इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एस.एल. 125 मि.ली. अथवा एजाडिरेक्टिन 0.15 प्रतिशत ई.सी. की 2.5 ली. मात्रा प्रति हे. 500- 600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव साफ मौसम में करें।
मक्का	मक्के की फसल दुग्धावस्था/दाना भरने अवस्था पर चल रही हैं जो नमी की कमी के प्रति संवेदनशील हैं अतः बारिश न होने दशा में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। समय से बोई गई मक्के की फसल की परिपक्व भुट्टो की तुड़ाई 75 प्रतिशत सुनहरे रंग की दिखाई देने पर भुट्टो की तुड़ाई कर धूप में अच्छी तरह सुखाकर हाथ या मशीन द्वारा दाने को भुट्टो से अलग करें।
तिल	तिल की फसल में पत्ती व फली की सूण्डी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु आक्सीडिमेटान-मिथाइल 50 % ई.सी. 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव साफ मौसम में करें।
मूँगफली	मूँगफली की फसलों में फलियाँ बनते समय हल्की सिंचाई कर खेतों में पर्याप्त नमी बनाये रखे। मूँगफली की फसल में सफेद गिडार/ दीमक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु फिप्रोनिल 0.3 % जी.आर. 20 किलोग्राम/हेक्टेयर की दर से बुरकाव करें।
मूँग	उर्द/मूँग की फसल में फली छेदक कीट की सूड़ियों का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु निबौली का 5 % या क्यूनालफास २५ ईसी 1.25 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। उर्द/मूँग की फसल में पीला चित्रवर्ण रोग (यलो मोजेक) का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु डाइमैथोएट 30 ई.सी. 1.0 लीटर/हे० अथवा आक्सीडिमेटान-मिथाइल 25 ई.सी. 1.0 लीटर/हे० की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव साफ मौसम में करें।
रेपसी ड	तोरिया की संस्तुति जातियाँ- टा -36, टा-9 भवानी, पी टी -303, पी.टी.-30 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए 3-4 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई का कार्य करें।
गन्ना	यदि गन्ने की लंबाई पांच फुट हो गई हो तो ढाई फुट की ऊँचाई पर प्रथम बँधाई करें। प्रथम बँधाई हेतु गन्ने को लाइनों में एक लाइन के दो झुण्डों को एक साथ नीचे की सूखी पत्तियों से बँधाई करें। लालसड़न रोग से प्रभावित पौधों को जड़ सहित निकालकर नष्ट कर दें तथा थायोफिनेट मिथाइल 0.2 प्रतिशत के घोल से पौधों पर छिड़काव करें। गन्ने की फसल में बैक्टीरियल रॉट बीमारी के लक्षण दिखने पर संक्रमित पौधे को काटकर नष्ट कर दें तथा इसके नियंत्रण हेतु स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 0.01 प्रतिशत का छिड़काव मौसम अनुकूल होने पर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू की अगेती किस्मों जैसे कुफरी चंद्र मुखी तथा कुफरी अशोका की बुवाई प्रारम्भ करें। बुआई के 7-10 दिन पहले शीत भण्डार से आलू के बीज को बाहर निकालें। शीत भण्डारण में भण्डारित बीज में यदि अंकुर निकल आये तो उनको छाँटकर अलग कर दें। यदि शीत गृह में भण्डारण करने से पूर्व आलू के बीज को उपचारित न किया गया हो तो शीतगृह से आलू निकालकर छाँटने के तुरन्त बाद आलू के कन्दों को बोरिक एसिड के 3 प्रतिशत घोल से 30 मिनट तक उपचारित करके छायादार स्थान में सूखा लें।
गोभी	मूली, गाजर, चुकन्दर, शलजम एवं पत्तेदार सब्जियों की मेड़ो पर बुवाई करें। खरीफ में रोपी जाने वाली सब्जियों जैसे- बैंगन, मिर्च, टमाटर और अगेती फूलगोभी आदि फसलों की तैयार पौध की रोपाई करें। यदि खेत में पानी रुकने की संभावना है तो अगेती फूलगोभी, बैंगन, टमाटर, मिर्च आदि की रोपाई मेड़ों पर करें। सब्जियों की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु नीम आयल की १.५ मिली०/लीटर पानी में घोल बनाकर 3-4 छिड़काव 8-10 दिन के अंतराल पर आसमान साफ होने पर करें।
आम	आम, अमरुद, आँवला, नीबू आदि के पहले से भरे गए गड्ढों में नए पौधों की रोपाई का कार्य करें। नए बागों में नष्ट हुए पौधों के स्थान पर नए पौधों की रोपाई करें। केले/पपीते के बागों की गुड़ाई-करके तने के चारों तरफ 25-३० सेंटीमीटर ऊंची मिटटी चढ़ा दे स्टैंडिंग करें। आम में पत्ती कटाने वाले कीट की रोकथाम हेतु २%कार्बेरिल 1.5 % धूल का बुरकाव आसमान साफ होने पर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे बरसात के मौसम में पशुओं में किलनी/जूं के संक्रमण की संभावना प्रबल हो जाती है। इसके बचाव हेतु पशु बाड़े में चूने का छिड़काव करें ताकि किलनी/जूं के अंडे व लार्वा नष्ट हो जाय। पशुओं को वर्षा के दौरान खुले स्थान/पेड़ के नीचे न बांधें। पशुओं को रात के समय आसमान साफ होने पर ही खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधें। पशुओं को तालाबों या अन्य जगह के रुके हुए पानी को न पिलायें, इससे पशुओं को लीवर फ्लू व पेट के कीड़े होने की संभावना रहती है। पशुओं के पेट में कीड़ों की रोकथाम हेतु कृमिनाशक दवा देने का सर्वोत्तम समय है। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3 -4 बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। पशुओं को पेट में कीड़ों की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों के रहने के स्थान पर प्रति दिन सफाई करें। मुर्गियों को स्वच्छ पानी तथा सन्तुलित आहार की व्यवस्था करें। अंडे के लिए नये चूजें द्वारा मुर्गियों को पालने के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है परंतु ब्रायलर मुर्गियों के लिए यह समय उपयुक्त है। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। पानी का क्लोरीनेशन अवश्य करें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों के मारने के लिए (डिडिर्मिंग) की दवा दें। मुर्गीखाने को सूखा रखें तथा बिछावन को पलटते रहें। मुर्गीखाने में अधिक नमी हो तो पंखा चलायें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 17 से 20 सितम्बर 2025 के मध्य गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की चेतावनी है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

आगामी सप्ताह में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खरीफ की खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य स्थगित रखें तथा आसमान साफ होने की दशा में रोगनाशी एवं कीटनाशी के छिड़काव एवं निराई - गुड़ाई का कार्य करें। मक्का, दलहनी एवं तिलहनी फसलों में जल भराव न होने दे, अधिक वर्षा के पानी को खेत से बाहर निकालें। पशुओं को खुले स्थान पर न बांधें और न ही उन्हें चरने के लिए बाहर छोड़ें तथा जल भराव वाले स्थान पर पशुओं न जाने दें।

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>